सीएचसी स्तन कैंसर स्क्रीनिंग शिविर

पानसेमल। कलेक्टर जयती सिंह के मार्गदर्शन में एवं जिला प्रशासन की पहल पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पानसेमल प्रांगण में 3 दिवसीय स्तन कैंसर स्क्रीनिंग एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का संचालन हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड के सहयोग तथा रूपांतर नेचर एंड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन इंदौर के तत्वावधान में हुआ। शिविर में पानसेमल विकासखंड की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका एवं पर्यवेक्षकों की मेमोग्राफी, हीमोग्लोबिन तथा रेंडम ब्लड शुगर की जांच मोबाइल यूनिट के माध्यम से नि:शुल्क की गई। इस दौरान 265 महिलाओं ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया। कार्यक्रम का संचालन जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी आरएस गुंडिया के मार्गदर्शन में हुआ। शिविर में रूपांतर संस्था के मनवीर सिंह खनूजा, अदिति मंडलोई सहित 22 तकनीकी एवं पैरामेडिकल स्टॉफ ने सेवाएं दी। मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ राजेश ढोले का भी सहयोग रहा। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को समय पर निदान और उपचार की सुविधा उपलब्ध कराना है। ताकि वे विभागीय सेवाओं को अंतिम छोर तक सुदृढ़ बनाने में सक्षम हो सके। जागरूकता अभियान के माध्यम से यह संदेश दिया कि स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार समाज के समुचित विकास की आधारशिला है।

सम्मान समारोह व अनुभव साझाकरण कार्यशाला

निवाली। ब्लाक अंतर्गत सक्षम जीवन कौशल विकास कार्यक्रम द्वारा जिले स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले, प्राचार्य, प्रधान पाठक, मास्टर ट्रेनर ब्लॉक अकादमिक समन्वयक, जनशिक्षक एवं शिक्षकों का सम्मान एवं अनुभव साझाकरण कार्यशाला आयोजित की गई। ब्लॉक के संकुल से उत्कृष्ट कार्य करने वाले, अधिकारी, बीआरसी, एमटी व शिक्षक उपस्थित थे। सक्षम टीम कार्यक्रम की ब्लॉक प्रबंधक मीनाक्षी यादव ने सक्षम जीवन कौशल विकास कार्यक्रम की रुपरेखा एवं कार्यक्रम प्रगति की प्रस्तुति देते हुए बताया कि किस तरह निवाली ब्लॉक की सक्षम कार्यक्रम में प्रोग्रेस हुई अपने अनुभव साझाकरण किया। इस अवसर पर सेवा निवृत्त विखं शिक्षा अधिकारी प्रकाश चन्द्रशर्मा, विखं शिक्षा अधिकारी विनोद पाटीदार, विखं स्त्रोत समन्वयक महेन्द्र सिंह राठौड़, सक्षम जिला प्रबंधक लीना घोषी, सान्दीपनि प्राचार्य प्रताप सोलंकी, उत्कृष्ट प्राचार्य सत्तू मंडलोई, प्रभारी प्राचार्य हाई स्कूल मोरगुन मोहन चौहान, ब्लॉक अकादमिक समन्वयक पवन दास, गोविन्द मोरे, जन शिक्षक भीमसिंह बघेल, भीमराज पवार, पंकज चौहान, दीपक राठौड़, एमटी महेंद्र गोयल उपस्थित थे।

99वें वर्ष में कमलासन पर विराजित होंगे भगवान

मंदिर को स्थापित हुए 99 वर्ष हो चुके हैं, 14 फरवरी को लग जाएगा 100वां वर्ष

बड़वानी, (नवभारत)। खंडेलावाल दिगंबर जैन मंदिर में विराजित मूल नायक भगवान नेमीनाथ जी का कमलासन पर विराजमान करने के लिए बुधवार को निष्ठापन क्रिया परम पुज्य गुरुदेव श्रमण पट्टाचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज के आशीर्वाद से बड़वानी में विराजित परम पुज्य श्रमण मुनि प्रणुत सागर जी महाराज के सानिध्य में पूर्ण विधि-विधान और भक्ति-भाव से पंडित नितिन झांझरी इंदौर नगर पुरोहित के निर्देशन में संपन्न हुआ। सुबह भगवान नेमीनाथ की अभिषेक के साथ शांतिधारा संपन्न हुई। उक्त कार्यक्रम के लिए मंगल के सूचक ध्वजारोहण समाज के

श्रेष्ठी परिवार द्वारा संपन्न हुआ। सौधर्म, महेंद्र, ईशान आदि इंद्र इंद्राणी ने भक्ति भाव, श्रद्धा और विवेक से शांति नाथ मंडल विधान, याग मंडल विधान सम्पन्न किया।

मुनि प्रणुत सागर जी महाराज द्वारा भगवान को मंडल जी के समवशरण पर विराजमान किया। मंडल जी पर समाज के श्रावक-श्राविका ने श्रीफल व अर्ध समर्पित किए। मांगलिक क्रियाओं के साथ-साथ विराजित सारे भगवान को मूल वेदी से अन्य वेदियों में विराजित किया गया। श्रावक श्रेष्ठियों द्वारा प्राचीन वेदी से भगवान का उत्थापन कर अस्थाई वेदी पर शांतिधारा अभिषेक के साथ विराजित किए। जिनको भगवान के गर्भ गृह के जीर्णोद्धार और नए कमलासन पर शीघ्र ही विराजित किया जाएगा। अन्य कार्यक्रम भी सम्पन्न हुए।

मंदिर को स्थापित हुए 99 वर्ष हो चुके हैं और 14 फरवरी को 100 वर्ष लग जाएगा। इस 99 साल में भगवान पहली बार अपने मूल स्थान से हट कर उच्च कमलासन पर विराजित होंगे। मुहूर्त में भगवान को नए अस्थाई वेदी पर विराजित होते ही पूरा मंदिर जय-जय कारों से गूंज उठा। जैन मंदिर में प्रभु श्री नेमीनाथ प्रभु की वेदी जीर्णोद्धार के लिए खाली की गई और सारी प्रतिमाओं को अस्थाई वेदी पर विराजमान किया गया।

हुए धार्मिक कार्यक्रम

इस अवसर पर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हुए।

नप अध्यक्ष के वित्तीय अधिकार को लेकर बड़ा निर्णय

पानसेमल, (नवभारत)। नगर परिषद अध्यक्ष के वित्तीय अधिकार को लेकर नगरीय एवं आवास विभाग द्वारा बड़ा निर्णय लिया गया है। लगातार समाचारों में प्रकाशित होने के बाद समस्या के समाधान को लेकर नगर परिषद अध्यक्ष के वित्तीय अधिकार अब न्यायालय के निर्णय आने तक एसडीएम रमेश चंद्र सिसोदिया को दिए गए हैं। नगर परिषद सीएमओ संतराम चौहान ने बताया कि नगर के विभिन्न वार्डों में निर्माण कार्य को लेकर संबंधित ठेकेदारों के भुगतान को लेकर समस्याएं उत्पन्न हो रही थी। जिन्हें उच्च अधिकारियों को अवगत कराया था।

आमजनों की समस्या होगी समाप्त

उल्लेखनीय है कि करीब डेढ़ वर्ष से नगर परिषद अध्यक्ष शैलेश भंडारकर के वित्तीय अधिकार नहीं होने से नगर में करोड़ों की राशि के निर्माण कार्य प्रभावित हो रहे थे। इस आदेश के बाद आमजनों की समस्या समाप्त होगी। पिछले दिनों नगर परिषद उपाध्यक्ष साहेबराव चौधरी एवं पार्षदों ने भी वित्तीय अधिकार को लेकर चिंता जताई थी।

2 क्विंटल अमानक पॉलिथिन बस से की जब्त

बड़वानी, (नवभारत)। नगर पालिका के स्वच्छता अमले द्वारा शहर के बस स्टैंड पर काकू बस क्रं. एमपी11पी2299 से अवैध रूप से परिवहन हो रही लगभग 2 क्विंटल अमानक पॉलीथीन जब्त की है। इस दौरान बस चालक एवं परिचालक द्वारा पॉलीथीन के विषय में अनभिज्ञता जाहिर की गई। जिस पर उन्हें चेतावनी दी गई है कि भविष्य में इस तरह की अवैध पॉलीथीन एवं प्रतिबंधित प्लास्टिक के परिवहन पर जुर्माना आरोपित कर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

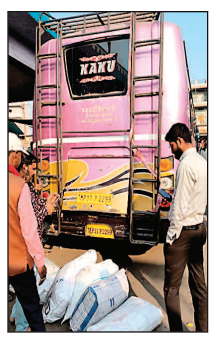

जब्त पॉलीथीन को तत्काल निकाय के ट्रेंचिंग ग्राउण्ड पर एमआरएफ यूनिट में ब्लॉक पेवर/गट्टे के रूप में मोल्ड कर लिया जाता है। यह ब्लॉक पेवर/गट्टे सार्वजनिक स्थानों पर लगाए जा रहे हैं। कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह के निर्देशन में यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। यदि कोई नागरिक किसी वाहन में अमानक पॉलीथिन परिवहन करते हुए देखता है, तो वह तत्काल इसकी सूचना नगर पालिका के अमले को दे। जिससे अमानक पॉलीथिन जब्त की जा सके। सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा।

कटी पतंग के पीछे जान जोखिम में डालते बच्चें

नवभारत न्यूज़
निवाली, 08 जनवरी. आगामी त्यौहार मकर संक्रांति के पहले ही बच्चों में खुशी की लहर दौड़ गई है। पखवाड़े से पहले से बच्चे पतंग उड़ते नजर आ रहे बच्चों में काफी खुशी देखने को मिल रही है। लेकिन बच्चे पतंग उड़ाते-उड़ाते पतंग बाजी के चक्कर में कटी पतंग के पीछे दीवाने होकर पतंग की ओर देखते हुए भागते हैं। जिससे दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है।

ऐसा ही एक नजारा बुधवार को सेंधवा-खेतिया स्टेट हाईवे पर देखने को मिला। जहां कटी हुई पतंग के पीछे छोटे-छोटे बच्चे पतंग लुटने के चक्कर में पतंग की ओर देखते हुए भाग रहे थे, जो जान जोखिम में डालकर भागते हैं। इस ओर किसी भी पालक का कोई ध्यान नहीं कि कब कोई घटना हो जाए।

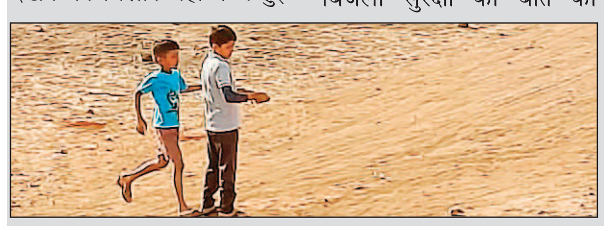

पतंग तो फिर मिल जाएगी, जीवन नहीं

नायलॉन या चीनी मांझा इंसानी जिंदगी के लिए खतरा बना हुआ है। मकर संक्रांति का त्यौहार नजदीक आते ही पतंगबाजी बढ़ जाती है। पतंग उड़ाते समय बिजली सुरक्षा की बात को नजरअंदाज करने से जान जा सकती है। बिजली के झटके से कई लोगों की मौत होने की घटनाएं होती रहती हैं।

पतंग उड़ाने के लिए उपयोग होने वाला नायलॉन या चीनी मांझा न सिर्फ पर्यावरण के लिए, बल्कि इंसानी जिंदगी के लिए भी बहुत खतरनाक है। इस मांझे पर मेटल के कणों की कोटिंग होती है। जब यह मांझा हाई-वोल्टेज बिजली की लाइनों (हाई टेंशन लाइन्स) को छूता है, तो मांझा पकड़े हुए व्यक्ति को तेज बिजली का झटका लगकर उसकी मौत हो सकती है। पतंग उड़ाना खुशी का त्यौहार है, लेकिन सुरक्षा से समझौता नहीं करें। बिजली के खंभों के पास पतंग उड़ाने से बचें।

रहता है तारों का जाल

शहरी इलाकों में बिजली के तारों का एक बड़ा जाल होता है। अक्सर पतंगें बिजली के तारों में फंस जाती हैं। ऐसे में तारों में फंसी पतंग को निकालने के लिए रॉड, गीले बांस या लकड़ी का इस्तेमाल न करें। इससे शॉर्ट सर्किट हो सकता है और बड़ा हादसा हो सकता है। साथ ही डीपी या ट्रांसफार्मर के पास खड़े होकर पतंग न उड़ाएं। यहां धमाके या स्पार्किंग से चोट लग सकती है।

तत्काल शुद्ध पानी और मुफ्त इलाज के दिए निर्देश

नव भारत न्यूज
इंदौर. भागीरथपुरा में दूषित पेयजल से हुई जनहानि को लेकर हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए इसे जनस्वास्थ्य आपात स्थिति करार दिया है. कोर्ट ने स्वच्छ पेयजल को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत नागरिकों का मौलिक अधिकार बताया और दोषी अधिकारियों पर सिविल व क्रिमिनल कार्रवाई, मुआवजा और जवाबदेही तय करने के संकेत दिए हैं.

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच में मंगलवार को भागीरथपुरा (वार्ड 11) सहित शहर के अन्य क्षेत्रों में दूषित पानी की आपूर्ति से जुड़े मामलों पर एक साथ सुनवाई हुई याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अजय बगड़िया ने दलील दी कि मेयर इन काउंसिल ने वर्ष 2022 में नई पेयजल पाइपलाइन बिछाने का निर्णय लिया था, लेकिन नगर निगम के दोषी अधिकारियों द्वारा फंड जारी नहीं करने से काम अटका रहा. उन्होंने यह भी बताया कि वर्ष 2017-18 में इंदौर के विभिन्न क्षेत्रों से लिए गए 60 जल नमूनों में से 59 पेय योग्य नहीं पाए गए थे, इसके बावजूद कोई ठोस सुधारात्मक कदम नहीं उठाया. हाईकोर्ट ने निर्देश दिए कि प्रभावित क्षेत्रों में सरकारी खर्च पर टैंकर या पैकेज्ड पानी से तत्काल सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति की जाए, दूषित जल स्त्रोतों को बंद किया जाए, स्वास्थ्य शिविर लगें और सरकारी व सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में नि:शुल्क इलाज उपलब्ध कराया जाए. साथ ही एनएबीएल मान्यता प्राप्त लैब से जल गुणवत्ता जांच, पाइपलाइनों की मरम्मत, क्लोरीनेशन और ऑनलाइन मॉनिटरिंग सिस्टम लगाने के भी आदेश दिए.

कलेक्टर ने क्षेत्र का भ्रमण कर लिया स्थिति का जायजा

- रिंग सर्वे, लाइन लीकेज सुधार एवं टैंकर से जल वितरण की सतत निगरानी

इंदौर. कलेक्टर शिवम वर्मा एवं नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने मंगलवार प्रातः भागीरथपुरा क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया. निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त, बीट प्रभारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे.

कलेक्टर ने बताया कि रिंग सर्वे के तहत क्षेत्र में निरंतर कार्रवाई जारी है. प्रभावित क्षेत्रों से नियमित सैंपल कलेक्शन कर उनकी मॉनिटरिंग की जा रही है. नागरिकों को पानी उबालकर एवं छानकर पीने के लिए लगातार समझाइश दी जा रही है. साथ ही, क्षेत्र में टैंकरों के माध्यम से सतत स्वच्छ जल वितरण सुनिश्चित किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रभावित नागरिकों का समुचित उपचार नि:शुल्क किया जा रहा है. इस कार्य में जिला प्रशासन, नगर निगम एवं स्वास्थ्य विभाग की टीमें समन्वय के साथ लगातार सक्रिय हैं.

गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश

निरीक्षण के दौरान पेयजल टैंकरों से हो रहे जल वितरण का अवलोकन किया गया तथा लाइन लीकेज सुधार कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए गए. नगर निगम द्वारा गठित 32 बीटों के माध्यम से भागीरथपुरा क्षेत्र के प्रत्येक हिस्से में दूषित जल पर नियंत्रण, स्वच्छ पेयजल आपूर्ति तथा व्यापक सफाई अभियान की नियमित समीक्षा की जा रही है. अधिकारियों को कार्यों में तेजी और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए. प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें और किसी भी समस्या की सूचना तत्काल संबंधित अधिकारियों को दें.

एक नजर में — दूषित और व्यर्थ बहते पानी की समस्या की शिकायत करने के बावजूद नहीं होती कोई कार्रवाई

नगर निगम की पानी को लेकर लापरवाही नागरिकों की चिंता का विषय

इंदौर. नगर निगम की पानी को लेकर लापरवाही, खासकर दूषित और व्यर्थ बहते पानी की समस्या, नागरिकों के लिए चिंता का विषय है, जहां शिकायतें होने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं होती, जिससे स्थानीय लोग गंदा पानी पीने को मजबूर हैं और पानी की बर्बादी भी हो रही है, जैसा कि भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पाइपलाइन के कारण सामने आया है, जो कई सालों से समस्या का कारण है और इससे लोग बीमार भी पड़ रहे हैं.

मामला वार्ड नंबर 40 से जुड़ा हुआ है. यह वार्ड काफी बड़ा है, जिसके आखिरी छोर खजराना के पीछे वाले क्षेत्र में कर्बला के पीछे विष्णुधाम कॉलोनी वसी हुई है. यहां पानी को लेकर काफी परेशानी देखने को मिली है. अभी तक तो यहां नर्मदा लाइन नहीं पहुंच पाई है, लेकिन सरकारी बोरिंग से लोगों को पानी की सुविधा मिलती है. क्षेत्र में नगर निगम द्वारा पानी की काली टंकी रखी गई थी, जिसको प्रतिदिन बोरिंग द्वारा भरा जाता था और उसके नल से लोग पानी भरते थे. सालों पुरानी यह टंकी जर्जर हालत में पहुंच चुकी थी. जगह-जगह से लीकेज हो रहा था, पानी ढुल रहा था. कभी भी टंकी गिरने से बड़ा हादसा होने का डर बना रहता था. इस जर्जर टंकी की स्थिति बयां करते हुए पांच महीने पहले 'नवभारत' ने खबर प्रकाशित की थी, इसके तीन दिन पश्चात ही विधायक महेंद्र हार्डिया द्वारा नई पानी की काली टंकी रखवा दी गई थी, लेकिन तब से लेकर अब तक इस नई टंकी में कनेक्शन नहीं जोड़ा गया. लोगों को जर्जर पुरानी टंकी से ही पानी मिल रहा है, इससे जितना पानी लोगों को मिलता है, उससे ज्यादा पानी टंकी में बड़ी दरारों से व्यर्थ बह जाता है. जिसके कारण लोगों को पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता. इतना ही नहीं, व्यर्थ बह रहे इस पानी से क्षेत्र की सड़क प्रतिदिन कीचड़

यह बोले नागरिक...

बोरिंग की मोटर चलती रहती है और फूटी टंकी से पानी बहता रहता है. टंकी में पानी जरा सा भी नहीं टिकता, थोड़ा बहुत पानी लोगों को मिल जाता है.

- रामलाल चंदेल

जब से टंकी रखी गई है जिम्मेदार दोबारा पलटकर नहीं आए हैं, फूटी टंकी से पानी बहता रहता है. सडक़ों पर कीचड़ होने से बाइक चालक फिसल जाते हैं.

- कुलदीप चांगरे

जिन्होंने टंकी लगाई थी, उनको कई बार बोला है. मैं दो

बार कंप्लेंट कर चुका हूं. हमेशा दो-चार दिन का कहकर टालते हैं. पानी की किल्लत है. इधर-उधर जाकर लाना पड़ता है.

- जितेंद्र घाउरी

जल्द ही नई टंकी में कनेक्शन करवाकर पुरानी टंकी हटवा दूंगा

पानी की किल्लत को खत्म करने के मेरे पूरे प्रयास रहते हैं. कर्मचारियों से कहकर जल्द ही विष्णुधाम कॉलोनी की नई टंकी में कनेक्शन करवाकर पुरानी टंकी हटवा दूंगा.

- पुष्पेंद्र पाटीदार, पार्षद

भागीरथपुरा क्षेत्र में विस्तृत सर्वे कार्य पूर्ण

- प्रत्येक घर में ओआरएस के 10 पैकेट, जिंक की 30 टेबलेट वितरित
- 450 से अधिक बोरिंग का नगर निगम ने किया क्लोरीनेशन
- स्वास्थ्य विभाग द्वारा 24, 786 लोगों को किट वितरण के साथ दिया परामर्श

इंदौर. भागीरथपुरा क्षेत्र में हुई जलजनित घटना के बाद प्रशासन द्वारा किए जा रहे कार्यों से सुधार नजर आने लगा है. मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने भागीरथपुरा के प्रभावित क्षेत्र में सघन दौरा किया. भारत सरकार के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. चंद्रशेखर गेदाम तथा प्रशासनिक अधिकारियों ने आज कोबो टूल का प्रयोग किया गया. इस टूल के माध्यम से किसी भी स्थिति का रियल टाईम में जानकारी प्राप्त की जाती है.

कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशानुसार भागीरथपुरा क्षेत्र में 5 एम्बुलेंस लगाई गई हैं. 24×7 चिकित्सकों की ड्यूटी क्षेत्र में लगाई गई है. प्रभावितों को एम. वाय चिकित्सालय, अरविंदो अस्पताल तथा बच्चों को चाचा नेहरु अस्पताल में रेफर किया जा रहा है. जो मरीज निजी चिकित्सालयों में जा रहें हैं, वहाँ पर भी नि:शुल्क उपचार, जाँच एवं औषधि हेतु मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी द्वारा निर्देशित किया गया है. प्रशासन और नगर निगम द्वारा भागीरथपुरा के प्रभावित क्षेत्रों में नर्मदा तथा बोरिंग पाईप लाईनों के लीकेज आदि का सुधार कार्य करवाया गया. वर्तमान में जिस टंकी से क्षेत्र में पानी का वितरण किया जा रहा है उसे सुपरक्लोरिनेट कर वितरण किया जा रहा है. साथ ही पाईप लाइन की फ्लशिंग का कार्य भी किया जा रहा है. इसके अलावा उपभोक्ताओं के यहां किये जा रहे नर्मदा जलापूर्ति की रेशिड्यूल क्लोरिन भी चेक की जा रही है. प्रशासन द्वारा नगर निगम के सहयोग से प्रभावित क्षेत्रों में टैंकरों के माध्यम से जलापूर्ति सुनिश्चित की जा रही है.

61 टीमों ने किया सर्वे

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ माधव प्रसाद हासानी ने बताया कि आज भागीरथपुरा क्षेत्र में विस्तृत सर्वे कार्य पूर्ण हो गया। सर्वे में लगभग 61 टीमें बनाई गई थी. प्रत्येक टीम ने घरों में कोबो टूल के माध्यम से रियल टाईम सर्वे किया. इसके तहत सर्वे टीम ने भागीरथपुरा क्षेत्र के प्रत्येक घर में ओआरएस के 10 पैकेट एवं जिंक की 30 टेबलेट वितरित की. इसके साथ-साथ ही एक क्लिनवेट ड्राप भी वितरित किए गए. सर्वे टीम द्वारा नागरिकों को क्लिनवेट के उपयोग के बारे में जागरूक किया गया. कि टीमों ने भागीरथपुरा क्षेत्र में घर-घर दौरा किया। इस टीम में नर्सिंग ऑफिसर, सी.एच.ओ., आशा एवं ए.एन.एम. आदि सम्मिलित थे. गत दिवस और आज मंगलवार को टीमों ने कुल 5013 घरों तक पहुँच बनायीं. जिसमें लगभग 24 हजार 786 लोगों को किट वितरण की गई.

सड़क हादसे में इंदौर के पेंटर की मौत, भतीजा गंभीर

- तराना टोल टैक्स के पास ट्रक के अचानक ब्रेक लगाने से हुआ हादसा

नवभारत न्यूज
इंदौर. इंदौर से शाजापुर जा रहे बाइक सवार चाचा भतीजा सड़क हादसे का शिकार हो गए. तराना क्षेत्र में टोल टैक्स के पास आगे चल रहे ट्रक के अचानक ब्रेक लगाने से पीछे से जा रही उनकी बाइक ट्रक में जा घुसी. इसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए. दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां पेंटर की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल भतीजे का इलाज किया जा रहा है.

इंदौर के कबीटखेड़ी में रहने वाले 41 वर्षीय दिनेश यादव अपने भतीजे अमन के साथ मोटरसाइकिल से शाजापुर जा रहे थे. टोल टैक्स से कुछ दूर पहले ट्रक चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए. तेज रफ्तार होने के कारण वह बाइक पर नियंत्रण नहीं रख सका और वह सीधे ट्रक के पिछले हिस्से से टकरा गया. टक्कर के बाद दोनों सड़क पर जा गिरे. हादसे की सूचना पर मौके पर पहुंची 108 एंबुलेंस से दोनों घायलों को एमवाय अस्पताल इंदौर लाया गया, जहां इलाज के दौरान दिनेश यादव ने दम तोड़ दिया.